

Published Date:	3 Jun 2026	Publication:	Action India (Hindi) [Dehradun]
Journalist:	Bureau	Page No:	5
Circulation:	15,100		

एसआईपी में निवेश तो बढ़ा, पर रजिस्ट्रेशन के
छद्मज्ञान जाता रहे निवेशकों की सतर्कता

देहरादून। सिस्टमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) उन आम और छोटे निवेशकों के लिए एक बेहद महत्वपूर्ण जरिया बना हुआ है, जो म्यूचुअल फंड के माध्यम से लंबे समय में बड़ी संपत्ति या फंड बनाना चाहते हैं। इंडस्ट्री के आंकड़ों से पता चलता है कि देहरादून में एसआईपी रजिस्ट्रेशन कराने वाले लोगों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हुई है। यह आंकड़ा मार्च 2026 में 1.10 प्रतिशत था, जो अप्रैल 2026 में बढ़कर 1.15 प्रतिशत हो गया। यह बढ़ोतरी यह दर्शाती है कि शेयर बाजार में चल रहे उतार-चढ़ाव के बावजूद निवेशकों का भरोसा डिग्रा नहीं है और वे लगातार बाजार में अपनी भागीदारी को बनाए हुए हैं (स्रोत: आंतरिक डेटा)।

पूरे म्यूचुअल फंड उद्योग में भी एसआईपी के जरिए लगातार पैसा आना जारी है। बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद, 2026 के पहले चार महीनों में एसआईपी से आने वाला पैसा पूरी तरह स्थिर रहा और यह लगभग 30,000 करोड़ के आस-पास बना रहा। यह दिखाता है कि निवेशक लगातार बाजार में बने हुए हैं।

उद्योग के हालिया रूझान निवेशकों के बीच बढ़ती सतर्कता की ओर इशारा करते हैं। पूरे उद्योग में नए एसआईपी रजिस्ट्रेशन अप्रैल 2026 में घटकर 12 महीने के निचले स्तर 50.71 लाख पर आ गए, जबकि एसआईपी बंद होने की संख्या बढ़कर 51.29 लाख हो गई, जिससे एसआईपी स्टॉपज रेशियो 101 प्रतिशत पर पहुंच गया। यह दर्शाता है कि वैश्विक भू-राजनीतिक तनावों और बाजार के भारी उतार-चढ़ाव के बीच, इस महीने के दौरान नए रजिस्ट्रेशन की तुलना में अधिक एसआईपी खाते रोक या बंद किए गए (स्रोत:एएसएफआई)।

ऐसे माहौल में, निवेश से निवेश करने और लंबे समय के लिए पैसों को प्लानिंग करने को लेकर लोगों की समझदारी और भी जरूरी होती जा रही है। वित्तीय जानकारों का मानना है कि बाजार के उतार-चढ़ाव के बीच भी लगातार निवेश करते रहने से निवेशकों को फायदा होता है। इससे वे बाजार के छोट-मोटे बदलावों को देखकर घबराने के बजाय, अपने लंबे समय के लक्ष्यों को आसानी से पूरा कर सकते हैं।

निवेशकों के बदलते व्यवहार पर टाटा एसेट मैनेजमेंट के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ, प्रवित भोबे ने कहा, रनिवेश में उतार-चढ़ाव आना तब है—लेकिन उस पर तुरंत प्रतिक्रिया देना आपके हाथ में है। टाटा म्यूचुअल फंड में हमारा मानना है कि लंबे समय का मुनाफा इस बात से तब नहीं होता कि बाजार कैसा चल रहा है, बल्कि इस बात से तब होता है कि उस माहौल में निवेशक कैसा व्यवहार करते हैं। सही तरीके से और लगातार निवेश करते रहना ही सफल निवेश की सबसे बड़ी कुंजी है। इस कैपेन के जरिए हम निवेशकों को बाजार में टिके रहने के लिए प्रोत्साहित करना चाहते हैं—यानी वे एसआईपी के जरिए निर्गमित निवेश करें, बाजार के हर उतार-चढ़ाव में बने रहें और हमेशा लंबे समय की सोच रखें। आगे चलकर यही अनुशासन, कंपाउंडिंग की ताकत और रूपी कॉस्ट एवरेजिंग के फायदे के साथ मिलकर एक बड़ा फंड बनाने में मदद कर सकता है।

लोगों को निवेश के प्रति जागरूक करने के लिए अब हमारी संस्कृति से जुड़ी बातों और जानी-पहचानी कहानियों का उपयोग किया जा रहा है। इसका मकसद लोगों को निवेश की सही प्लानिंग और उसके दौरान अपने व्यवहार को ठीक रखने के बारे में आसानी से समझाना है।

टाटा म्यूचुअल फंड का यह कैपेन क्रिकेट के खेल पर आधारित है। वह निवेशकों को यादझाता है कि बाजार में थोड़े समय के लिए आने वाली गिरावट को देखकर डर या धावना में आकर निवेश बंद करने के क्या नुकसान हैं। वे छोटी गिरावटें इस समय चल रहे क्रिकेट सीजन के रोमांचक माहौल और फाइनल मैचों के बीच एक अनोखा तालमेल दिखाती हैं। उतार-चढ़ाव वाले बाजार की तुलना एक ऐसी क्रिकेट पिच से करके जिस पर भरोसा नहीं किया जा सकता, वह कैपेन जेन जी और मिलेनियल्स के लिए निवेश से जुड़ी मुश्किल बातों को भी जानी-पहचानी कहानियों के जरिए बहुत आसान बना देता है।